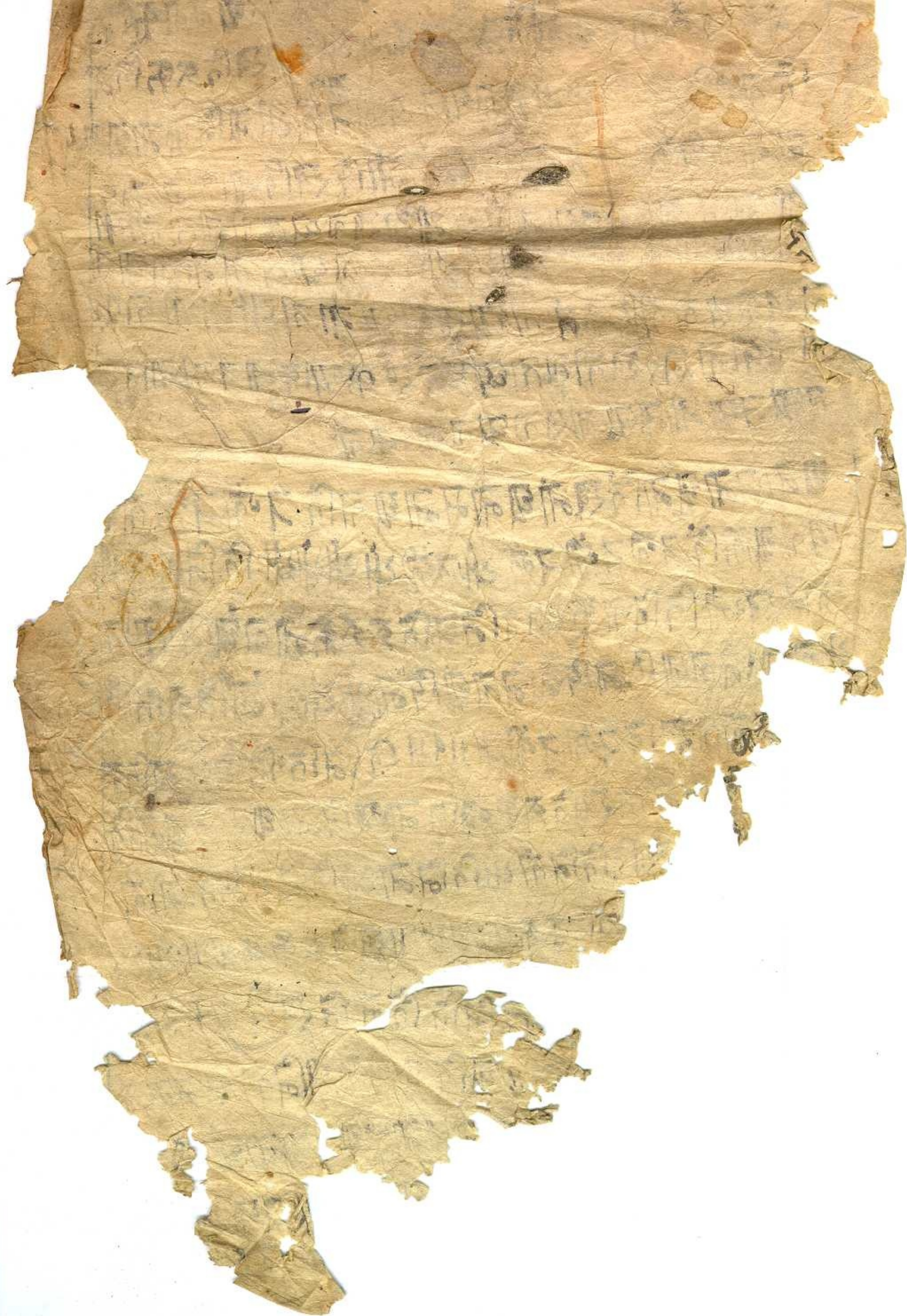


शयनात्तु ग्व तसं कुत्र
व त्र न क म त्र गा
ह ह ह ह य के

यशः तावज्जतिः डाल सडा सुख व
हरन हल हरन रुः मवि न दे व नः
ध्व पुनुष्या ववनः १ : ५ न ध ल भ
गं सा न सं सा ग मि नु ष्य ड ल
माधः २ : क्षा यि डा सु भ ल म ले स
त लः थ मा ला डा भ का डा न र नः
म न ० न र न ड डा ड ड न
ड डा वा नः भाधः ४
न ड डा न ड न



Handwritten text on a small, torn fragment of parchment at the top of the page.

Main body of handwritten text on a large, irregularly shaped parchment fragment. The text is written in a cursive script and is partially obscured by the torn edges of the paper.

Continuation of handwritten text on a lower parchment fragment, separated from the main body by a gap. The text is also in a cursive script and is partially obscured by the torn edges.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Arabic or Persian, covering the majority of the page. The text is arranged in approximately 25 horizontal lines. The script is dense and flowing, with some characters appearing to be stylized or abbreviated. The paper is aged and shows signs of wear, including tears and discoloration.

ॐ नागः का नाः धनं कतिः ॐ ह ग वा न द ध ध म स व क
 ध म धा त्वा ग्य जे न नू जे ह न व न नः ॐ ह ॐ
 य द द ध व न नः जे य व द न ॐ जे ल व लः
 मां व ह ल ॐ जे न न ग मा ध द डा नः लि लि
 ग न प ति भा हा का न व न नः

ॐ नागः का नाः धनं कतिः ॐ झा डा झा डा ड व द म
 झा डा नः प्रा न ल ह्या या य या तः ड व द म झा डा
 नः वि द्या या क म ला य क ड व द म झा डा नः
 प्रा न ल ह्या या य या तः ड व द म झा डा नः

ॐ नागः का नाः धनं कतिः ॐ द किल न मा न मा नः वि ध धा
 मा न ध यि ना न क न ध नि नः सि त ल सिं व द क स लि
 क पु नः शं नं द मा न स मा नः प्र ह विं द मा ना ध यि
 ना न क ना ध नि मा नः १ ॥ क य न कि मिं या य ति नि
 प ति स ग नः ड वि त वि दू म ल ल नः प्र हः २ ॥

ॐ नागः का नाः धनं कतिः ॐ न स न व न न डा न लः मा श या
 व न न न क लः ल त न मः नि कं पु ल ह न म ति

याति स गताऽडाव तावत्तु मल्लनः पुनः २१

नमो नम

१ नागः का नाः वाः नम नवन कडा नलः माश्या
वचन नन कलः लत नमः निकं पुल रुन मति
५५ यः नसः १ मच्छि दल वन न स नः मनया
लः सनशा सनः लिद्धि नलः सिंह न न नु गुन
नयः २ नस

नमो नम

१ नागः का नाः यकताः जनयति समल नशालति
नियायः सव नया मरु क सद्या लि त का स्नान नः
रंकु सया सना ना पुल गन स ताया कः जनः १
लिना हा ति सिंधु नि न न ति ग्वे ला ना कलः यक द
तति नय नम सा गस्य कानः जनः २ नाशय
ल का सति न रुति क ग्वे ला नलः गति मु गु
श सया वल न वा पु वा न था कानः जनः ३

नागः का नाः ता नय क ताः ना म ग न स वा

सना म ग न स कि सिया ह सः क स नि स र

मा ह सः व व क ह सः र क न य सः स वि न म ह

ध नि ह सः नाम ग १ ॥ म त क न न द त क

इ व म वा न न ति वा म न यः न वा न वा ह मा

म उ न सि क पा म नः वि थ या उ न यः नाम ग न २

सि न वा श ग ज व न सा ता शः ज व न वा डा श वि च न

का श यः थ या ज व ल श वा थ ता श शः क स ग न वा श वि

च न का श यः नाम ग ३ ॥ वि य श ना श क स ज

त नः श न का वा ता न क य मा ना न यः ति क वा हा न सि

च या थ न वा पि स ना श न ति ग मा न नः नाम ग ४

स व मा का य ल श न का पः ग वि त थ य श ना क

ग य यः क वि इ क यः वा पि नि वा स स न न वा य म

व त क य यः नाम ग न स कि सिया ह स यः ५ ॥

नागः का नाः य क ताः दु ख क ल मा ध शः न ल म

र व ना श यः स न श क ता रु डि नाः श क न न आ श

ज व श वा सा रु य डि त स थि ल म क ल डि श शः १ ॥

श थि न ग थि नः म ध न म द रि डा यः श क स त या

१॥ नागाः का नाः यकताः दुखरुल माधडाः नल म
 खनाडा नः स्नानरुल ता रुदि नाः डा कर न आडा
 ज्यडा वा सा रुयदि त सथिल मरुल डि आडा १ ॥
 थथि न गथि नः सुधल सुदयिडा नः डा क्र स तु या
 क म नः म ज्य य म रु डि डाः ज्यडा वाः २ ॥ विलगा
 ग न लि डः म ल न ला ल नः त ल नि रु ल न लः ति
 लिया ज्य ला डाः ज्यडा वाः ३ ॥

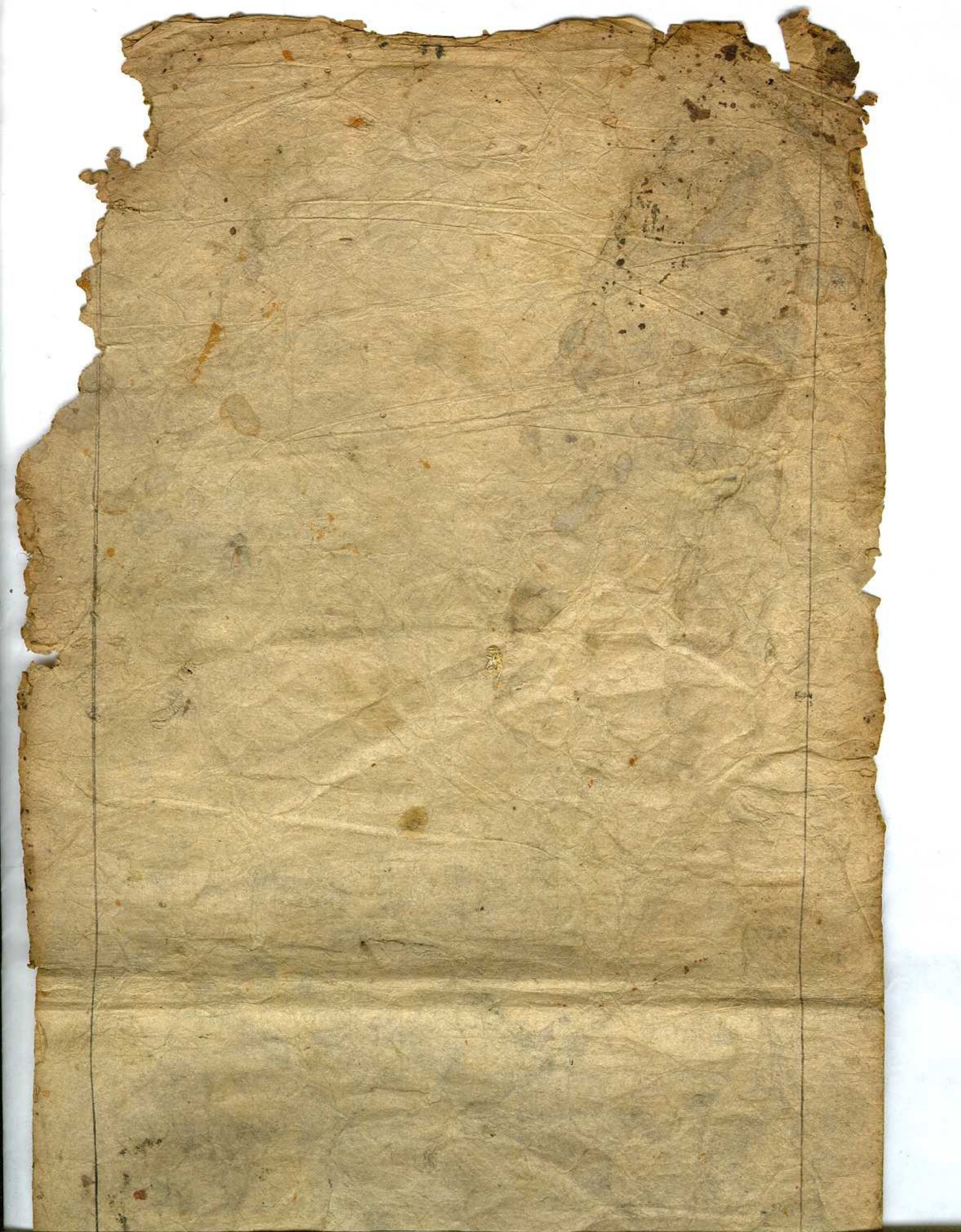
२ नाग कागायाः मायादवीयाकायश्चिन्नस
धतृजगत्संसारलक्ष्म्याकायः लयाउन्नसा
तिनडासदः गप्पु उनीव सतनश्चिन्न
लाशः मायाः १० यत्र दनमिखावानशस्यः
कृत्तिकृत्तिहृत्तुनमित्रवृत्ताकायः मायाः २
यत्रतिनयायथाहृत्तुलीलसंदन
क्रमाद्गदुर्विकृतयः शास्त्रीया
३३ नुगत्रनयनयायः शसयाय
नशदः स्नानकायकिष्किशसपूज

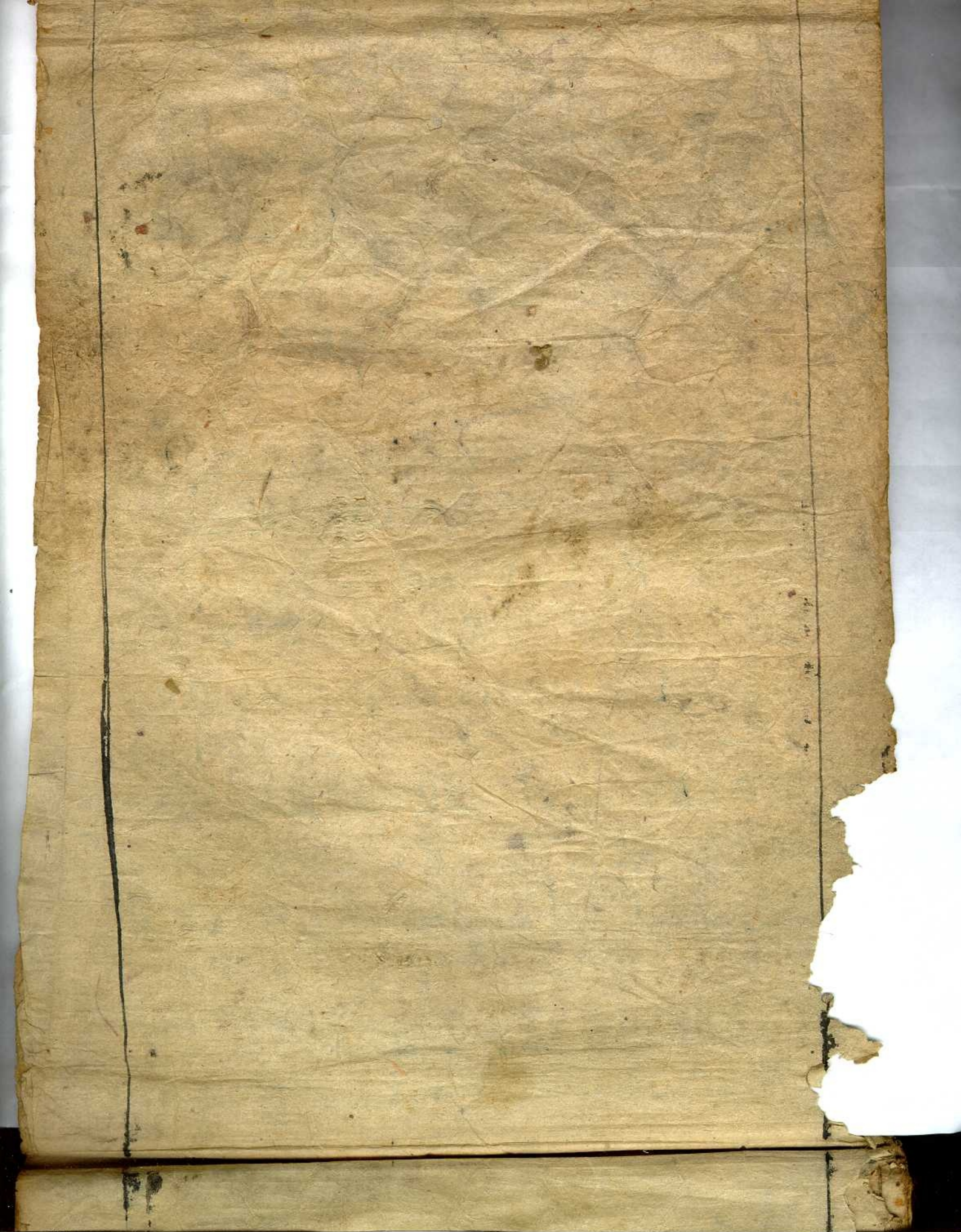
म० आ० पा० ५५ रुग रूप नि ता प्र न डा स ल १०

यः प्रायाः ५ ॥ रुग रुपनि ता म न र स ल ॥ त
प रु या कि पा न रु न न्य म नि ग न ॥ मा यः ५ ॥

प्र
य
र
प
ना गः का नाः ता नः रु ति ॥ य रु म व न स न न ल
लानि ॥ अथ द स ल रु स त स रु गः क्र म वा स न सि
न ख दि नि र्वा द स ल त हा ठ द न द ह म न स हि त
व दि नि रु य रु ॥ १ ॥ क न क म नि म य न ग ह व
न म रु जा ति स र ग ह ॥ सि ग वा हि नि स न स वि
जा हि नि क न ह व ह वि धि न ग ह ॥ रु य रु ॥ २ ॥
न धि न वा न हि वि ख स ल व न न न स व म ख न ग
ह ॥ द म न दि मि दि मि स व द स नि क उ न स न म
न व धि न ग ह ॥ रु य रु ॥ ३ ॥ वि स्र वा सा व स
वि धि न न न दि ग प ति द व ह ॥ जा पि क क न रु
ग रु ग त रु न नि व न न र्प क रु स र ह ॥ रु य रु
॥ ४ ॥ रु ग रु कृ त म पि मि प ति रु ग जा ति स न न
क य न त ह न ह ॥ स न न व रु नि वा प मा व नि क न
त मा न उ ध न ह ॥ रु य रु ॥ ५ ॥

क य न तै ह न हः स न न व रु नि या प मा र । न क न
त मा न उ ध न हः न य नः ५ ५





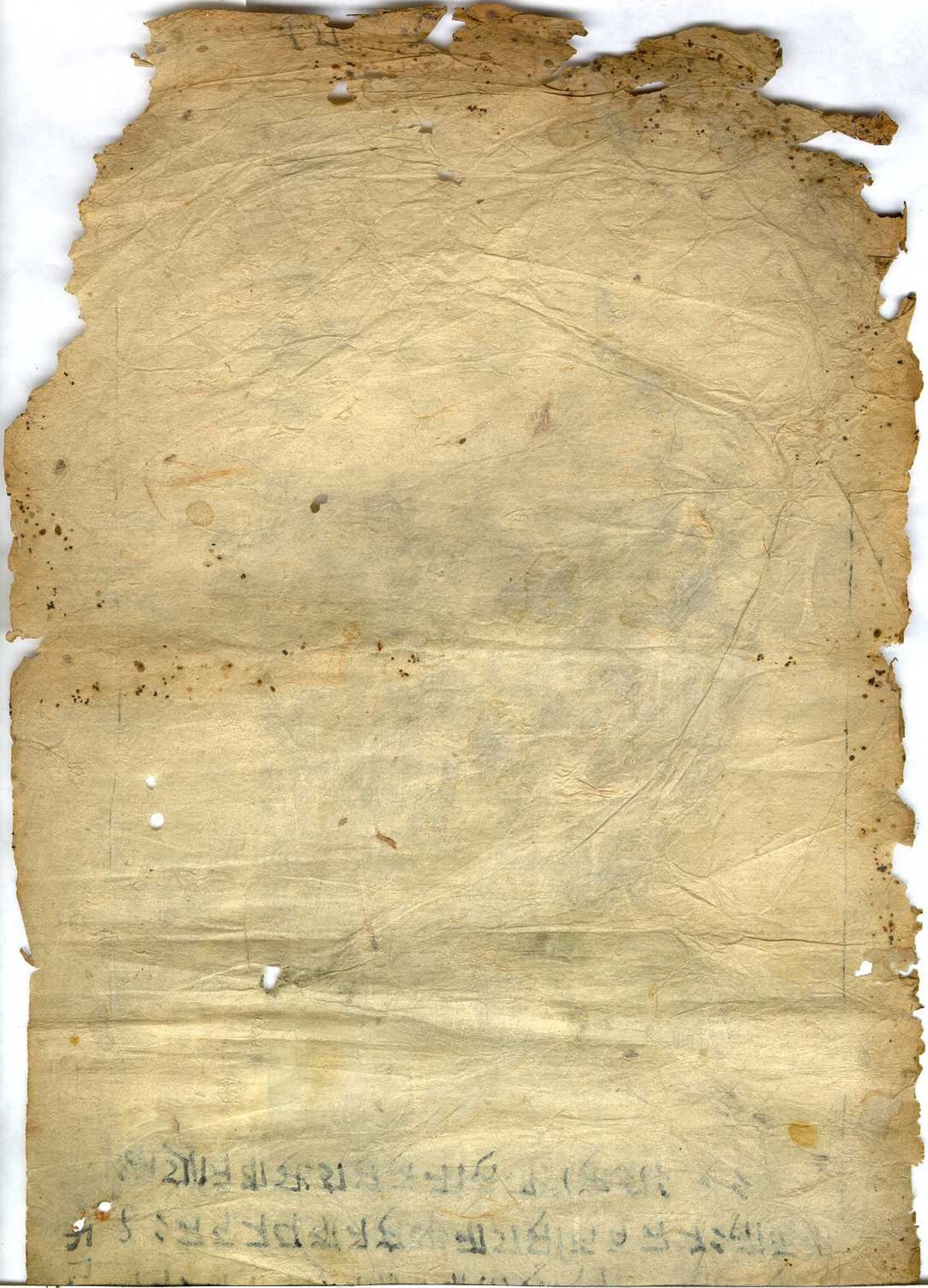
ॐ मणि ३
१ नागः नातः अतः श्री मणिंद्र नाथ गति कृपा क
ला ध्यानः मृग गति दिवि गानि वा स यो दा मृनिः

अथ नग
१ नागः नातः अतः आय ल ग न सः अथ व ल स
धालिः वंज क नासि ल ध ल अथि व ति आयः ग र व
ल नाय क दं त ग नाथः मनि ग ल धु नि क यः वि घ न
वि ना स आ वृः न डाल स क मा ल क य ल व का सः सि
द्धि दाय नि वृ धि दाय नि सा थ्य आ हा वृः

क वं व
१ नागः नातः यति माः कृ पा व ह ति वा रुः अं गु माल
डा नः न क त या सि ड म रि नः मया स म ग कः

द श ग न
१ नागः नातः य क ताः दं ड ग न रु क ग नः रु ल व न ग
या नः ना ना व तु ध का य या तः स म्द ल हि ला डा सा डाः
१ : म द न प व न स वः ना ग स हि त न नः ला क ना
थ्य गानि वा सः डा स ल न हि ना डा सा डाः २१

१ : म द न प व न स व : ना ग स ह न न न : ला क ना
था ग्रानि वा स : डा स ल न हि ना डा सा डा : २ :



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥

अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥

अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥

अथ द्रुपद उवाच ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥

काति सत

१ नागः ज्वनथः मानः काति सत कुरु यतिः केलाद
आधनः जयगन नाथः कः धुसासन गकुदिः किं
व क मालि तः दुं यति कयति केला ना कः

माधडाजा

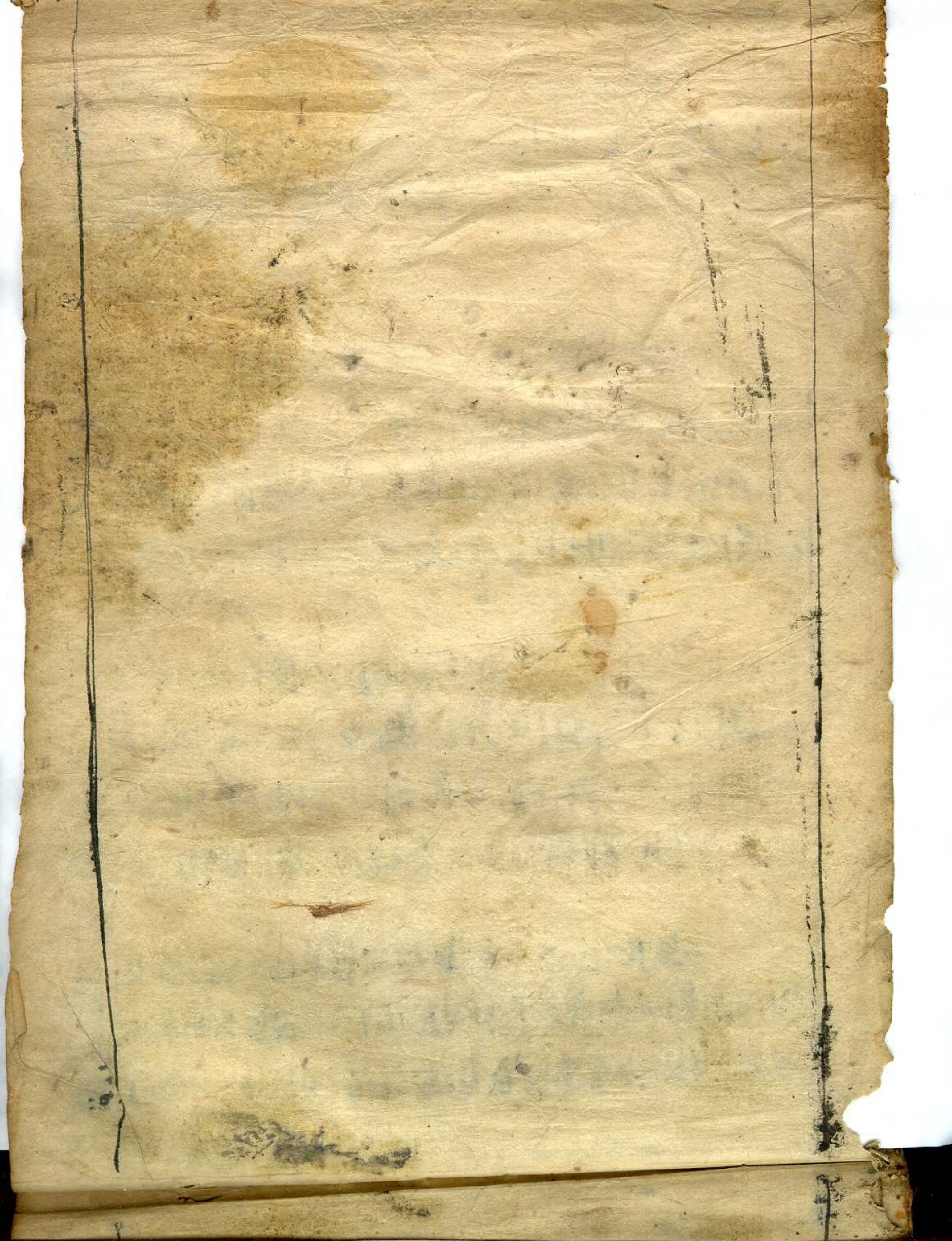
१ नागः सा नथः कतिः माधडा जा य व ना स न या सः
स्या म स ध न का नु सा न ग वा वः ग्य ल न अनिल
ना कः १ न द द व व न स निः आध कुल ला कः
ख ग य ति वा हा न ना कः २१

ग्रीवद

१ नागः ज्वनथः यताः ग्रीवद तु न सि रु यः ग्रीव
द न ध वा नु पा तु दु का ध न सि डा पु डा या यः न स न
मालि नि डा नः रु त्रि या म द प ग्व सः स्वा न डा स
डा न रु ता स नः ११

मनयाधि

नागः ज्वनथः ता नः वाः म न या धि न ति ल डा श ता न
त म रु पा ण सि ह न य म रु डी नः म ना नः स न पु
हः म तं कि न ह त मा नः १ का म न कि के क ह
नः र या व ना नः न सि क न सि क थ निः म सि पा य स
न स नः न स निः न स निः न स निः न स निः न स निः



श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः ॥ ते ला कं ॥ ज्वल महाविष्णुः स
खय कृ गता वम नः ल कि मिया सिल दवि ॥ ज्वल
ना नायन संः विस्त्र नु यश नः

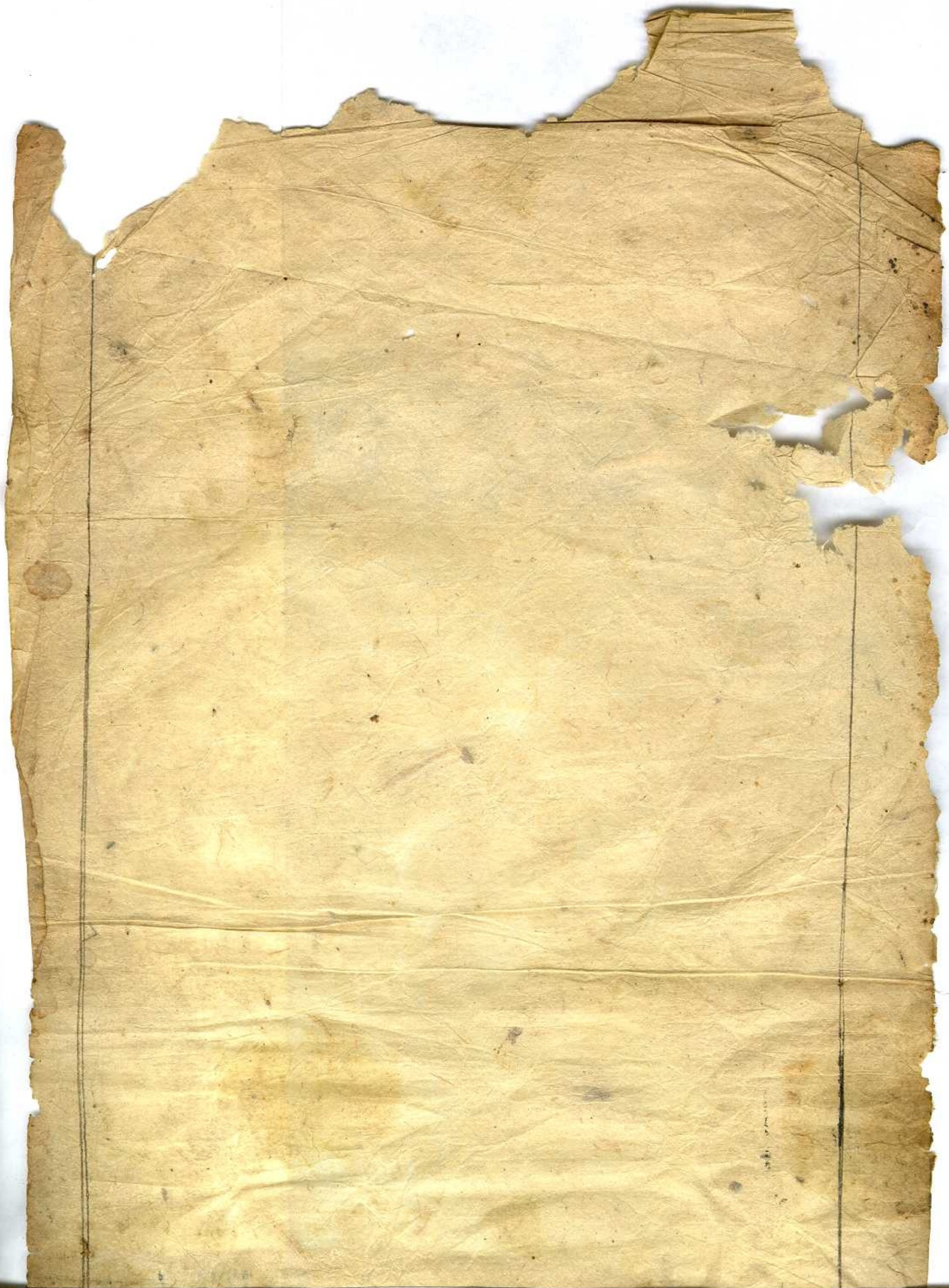
श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः ॥ नु यः ॥ ह गवान ॥ ज्वलः ॥ ते ला कं
महाविष्णुः विलिं विवि पूरु न हलि हलः ॥ वक्रा स
नु यः ॥ ह हः ॥ मनि मं ॥ म नु क सः ॥ क स ग कु द ल
हृ ॥ गल स ह न मुतिः ॥ मा न हा न ना ज्ञा य न स्वा
नः ॥ ह हः

श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः ॥ धं द ॥ ज्वनिः ॥ जय जय मा हा
कालः ॥ रु त कि ज जि मन या द ख ज्ञा यः १ ॥ ज्व न
ग हः ॥ मिया ग याः ॥ ला क या ज्ञा ॥ ज्ञा जय ज्ञा ग य ल
का स न ज्ञा नः २ ॥

कास नक्षत्रः २७



१५ शना गः कदा नः मृतताः विविधलः तनुज्वलाः मं
ननु मृतताः तनु मृतताः मृतताः मृतताः मृतताः

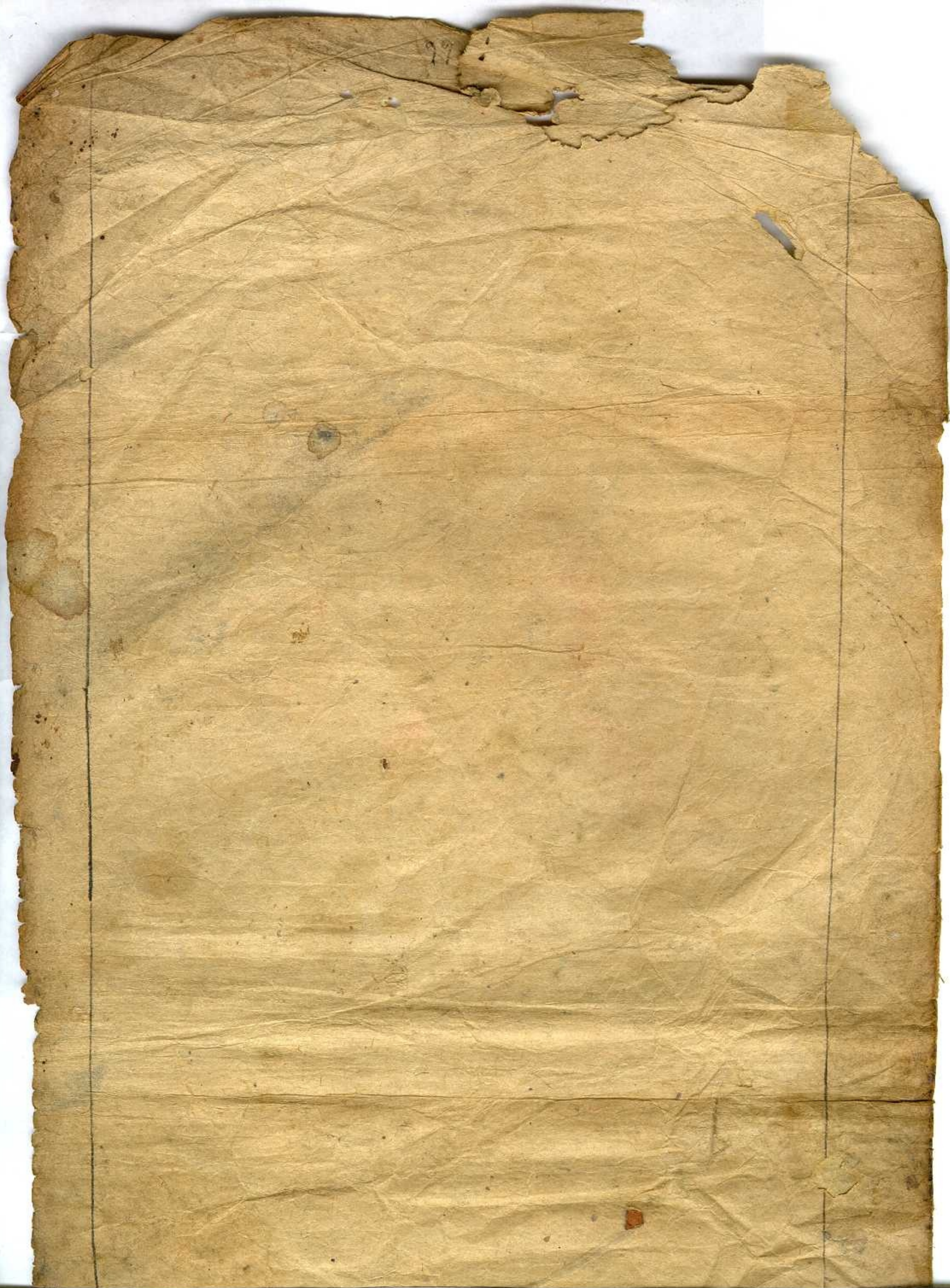
विषयः

रनागः कदाचः अतः विविधलः तनुज्वलाः मं
दिलाहिः यत्रः मलयजाः तनुनामजायिलाक
कावः शला मनिः विद्याधलः गंधवहिः य
त्रः मनयजाः तनुनामजालाककावः ॥

कावः

रनागः कदाचः यतः कावहातः नहि जानाः कत
तयतिलग्यः वालवदहिरुमकावकयः धलम
कलमाकुतशानिलवानिः मयः जानूः १॥
सुनियादिनपतिः विनतिवाकः शागप्रकासः
करुशानिलवानिः मयसायवः कततयतिनः ॥





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्ण सर्वव्यापी ॥

श्री गुरु

रागः सारंगः मानः श्री गुरुः सख च कुग
दायमः वरु रशः नायायनः मृति दा ताः हा दः
तः लाकः ग्व न म हा वि सुः न हं द कु मा नः

सुध नति

रागः सारंगः काः सुध लतिलि म दू ह न क
यानः ग्व न हा न ता ह रिः ना क्ति थ न डि श या डाः
कि क सिल सक्का यः ग्व न रु का डाः तिविः १ /
त नु नि श ह न क नः त या डा क गु न नः तिवि
डा न स ल गः नं ग म दू क्ति तिविः २ / विल
न विं द नः हित स्व सिया डा नः सुध लि म दू क
स व न डा स मा नः तिविः ३ /

श्री गुरु

रागः सारंगः ता नः वाः ग्व पृ क्क य न व त स स य नि क
वि श्रा ता गः स न न म नि रु नः पृ शा या स वि श्रा कः
श्र न द न व स न वि श्रा क गी ह ग वा नः १ / क
द ह या द थ स पृ ह वि श्रा ता गः श्र न ग द ड
ल द य का हा श्र न श्र नः २ / वि श्रा न द
व न त न या ह न ह नः ह न या क स वि श्रा स व
वि श्रा ता ति न य वि श्रा कः श्र नः ३ / श्रा
ति न श्रा य स म या डाः व न न स न न वि

शत्रुसलजः नं गमदुक्कतिनिः २ ॥ विल
 नविंदनः हितस्वसियाडा नः सुधलिमदु
 सवनशसमानः तितिनिः ३ ॥

शत्रु
 कप

गगः सात्रगः तात्रः वाः ज्वपुक्कयत्रव त ससुयनिव
 विज्ञा नाशः सुत्रनत्रमृतिरुनः पुत्राया सविज्ञा कः
 ननदनत्रस नविज्ञा कशीह गवानः १ ॥ क
 दहपादयुसपुत्रविज्ञा नाशः ननगद
 लदयकादा नननः २ ॥ विज्ञात्रद
 वत्रतनपाह नहः हत्रमाक सविज्ञा सुव
 विज्ञाति नपविज्ञा कः ननः ३ ॥ ह
 नितज्ञाय मसयाशः वत्रनसत्रनविः
 याकासति शः ननः ४ ॥

कत्र
 गग

गगः सात्रगः तात्रः यताकत्रग
 सदात्रतिः केवमकुत्र
 वात्रात्रतिः कत्रग
 वात्रात्रतिः कत्रग
 तत्रात्रतिः

Handwritten text in the upper left corner, partially obscured by a tear. The characters appear to be in a historical script, possibly Chinese or Japanese.

Handwritten text in the middle left section, consisting of several lines of characters.

Small handwritten characters, possibly a date or a specific reference.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Small handwritten characters, continuing the text from the previous block.

Vertical handwritten text on the far left edge, possibly a page number or a marginal note.

Vertical handwritten text on the far left edge, possibly a page number or a marginal note.

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः शिवाय ॥ विष्णुसंघर्षकृतिः ॥ माः ॥ कसंकरः ॥ जग
त ॥ ॐ ॥ गवलः ॥ मकुतः ॥ जताधलः ॥ मिलं ॥ संसिम्भ
लः ॥ वसनंदि ॥ जवलः ॥ गललुद्र ॥ माः ॥ ॐ ॥ समवि

१ नागः विलसः धनं कतिः माः क सं क नः क ग
त ०० ग्वलः म क त क ता ध लः मिलै सं सि म व
लः व स नं दि ज व लः ग ल लु द्र मा नः ह स म वि
प्र पित विष ध ल हा थः हा थ त्रि स ल द म लु ध
न सा हः

१ नागः विलसः आः थ डा कालः क स त ठ काल न
ः य ल स नः व स म त का डाः १ म स ल ग्व ल डा
जा त धा नः स रु क नः यु लु ष गु न ना तः २
प थ म स त्रि डा उ ति धा नः ल न वा याः लि न कू य
का यः ३ म या स्य उ चि त प लि पा लः क या त
रुः व डा ति लि जा तिः ४ सि धि न ल सि रु स्वा
मि द डाः ग्व पि ना थ म न ग्व य य डाः ५

२५ शागा नाम कलिः कृतिः श्रीखदकसुलसका

श्रीशिवदक

श्रीगणेशाय नमः कलिः कृतिः श्रीशिवदकसुलसक
कः मया विधाय गङ्गा लिङ्गवियाकायध्वद्वं
ज्वनद्वहः १ नललाकसविष्णुकसंजाल
नद्यायाकनः पलिस्त्राकाडनद्यालज्जतिसंध
लद्वहः २ तिलहिलनागनाज्ञाभा
भादकयासनः सलनविहृनकिनहृगति
क्रमियाडाहः ३ लसनदकाडालाकः डाम
यासिवायाकनः नककायाध्वश्वलकविन
नसियाडाहः ४ श्रीगनसयावलनामि
श्वानिनलालनः नलपतिश्रीनाडिंडविक
मसारुवद्वहः ५

श्रीगणेशाय नमः कलिः श्रीमहालथनाडावृष्टः मा
सतानामदनयलडगकालयातडावः ल
किंतलडालः कागनकलसधनः याधिति
कसुषनः शदिबुधनामकासशालति
डधलयायमनः दकमायातल
डादानविलधनधनधकाध
ज्वनः शकासनः डकनडम
रुडानसमदुशलक
जयनमावुधदडाधन
लविनतिमदयामि
शदि

अ १॥ गः न त वि नाऽतिः ला क ना थ वि ङा डि त ज्या न
ब ल दानः श्र ति न स ध ल ष्या लः र ल न स मा नंः

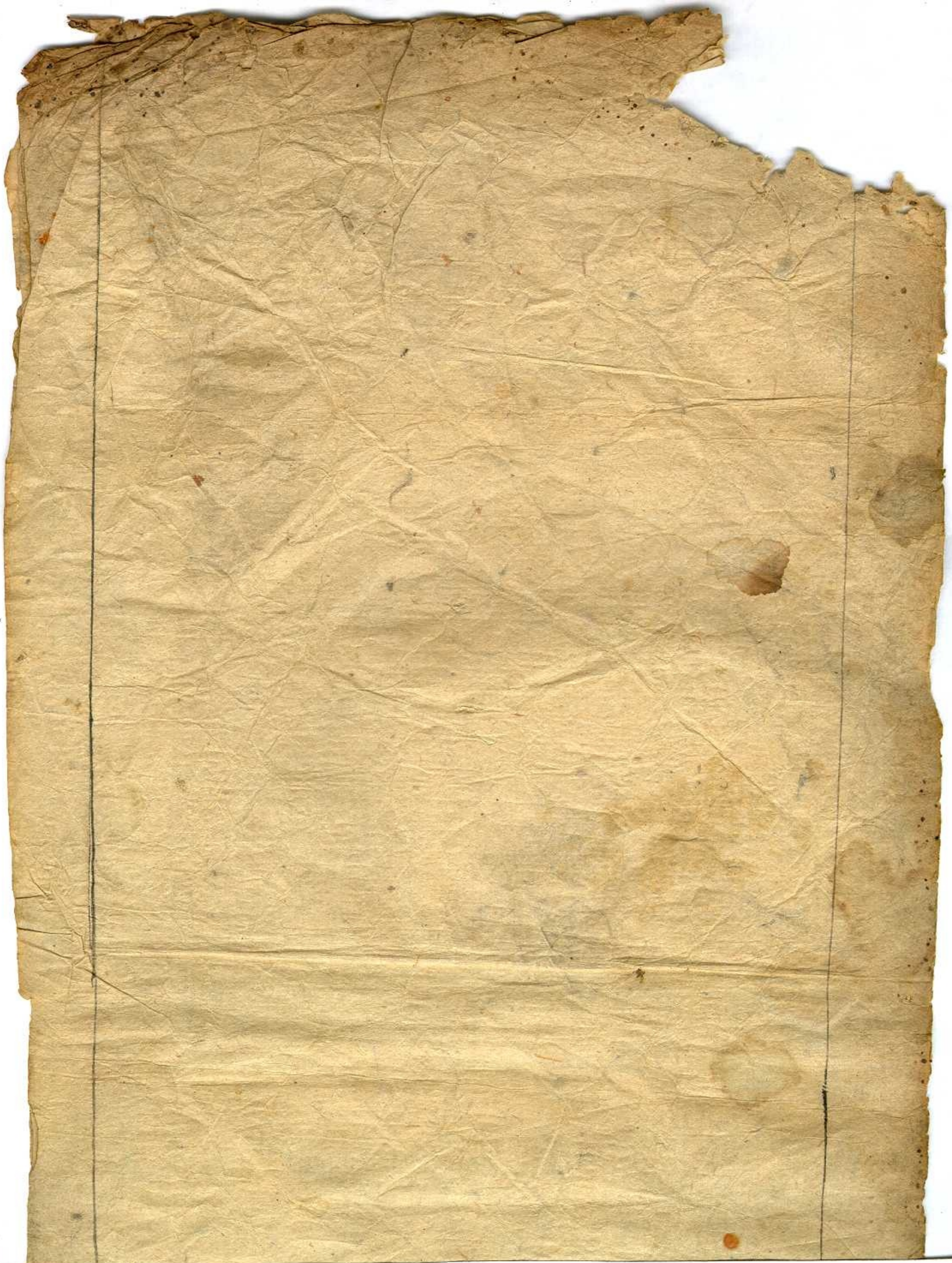
लोक गोध

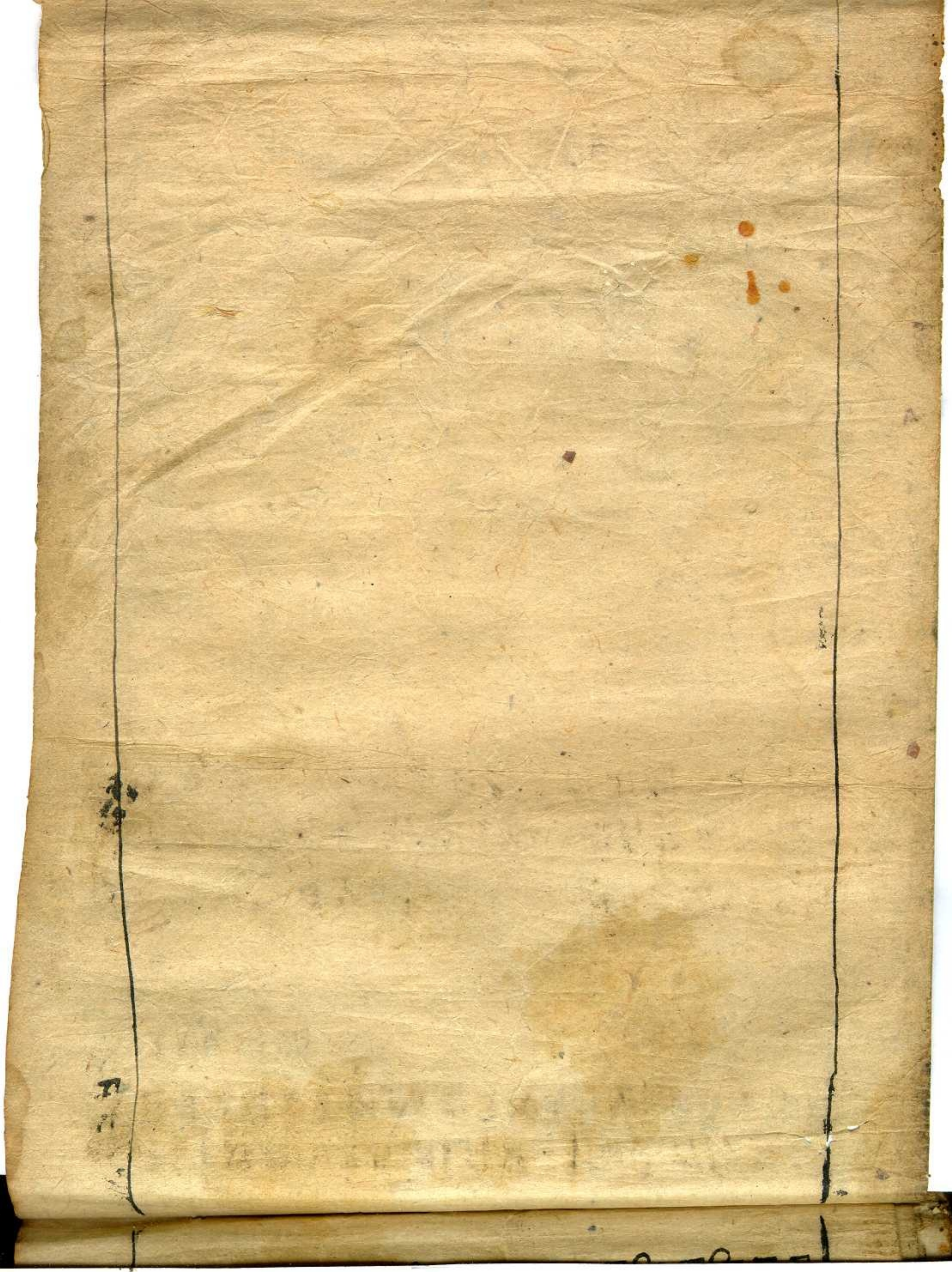
रनागः न त विनाः जतिः ला क नाथ विडा डि त ज्ञान
बलदा नः इति न स्रध लषालः जल न समानः
अमिता र तथः गत सिल सत याडाः लाकः १
ः हा सधान यल ज्ञानः रुल मिवा वानः सुल
ऊथ थिकः लया विथ या ज्य लाडाः लाकः २
अन गल त न मानिक ति सान ति याडाः तठ
ह्या मडम मः ज्ञान सिल सत याडाः ला ३ पुन
लकि मिवा ज्ञान मिश्र विष्णु मल दडाः लाक रुना
विडाः थडा मया राल याडाः लाकः ४

लोक गोध

नागः न त विनाः तावः जतिः ला क नाथ ह ग वान द वसन
या पः दिग्वा ला ला ज्ञान व न द न स न या पः कु स व न
द वसन या पः ला क नाः १ ह वा निग्ना ज्ञान विद
न स न या पः नि त नाथ द वसन या पः ला क नाः २
थथ्का थ्ग न द ति द वसन या पः द ज्ञान विद वसन
या पः ला क नाः ३ व द वकि मिवा ला मि विष्णु म
व द डाः सा या क द वसन या पः ला क नाः ४

प्रायः लोके नाः ३ १ च ५ राक्षसि या स्त्री मित्रं दूरी
वदन्ताः ३ सयाश्च द न स न या प्रायः लोके नाः ४ १





ला न स क

ना ५७ः म नाः ध न क तिः ला न स क न ति व ति स न
स व न पु न द स्य ऊः दा न द ष न क ह न स क न वि
उ ध म ना ऊः

क
रु
या
न

नागधना गीः ता नः पकः क रु पा न व व सः
व स न पा दि न सः नृ मि ता ह त स रु व थ नः नृ
न न पा व न सः स नृ मृ ति मा न क स रु नृ म न
दि न सः १ : ना क स न नृ न स न थ पा नृ नि वि
नृ नि नः जि त क ता प न स न रु पा मा नः नृ नृ नृ नि
पा पि पा खा न वा न नृ नृ ता नृ ता नृ नृ नृ नि ना क
नृ नः २ : स नृ न स थ नृ नि नः वि त न वा न ना क सः मृ
तु का न ता द या ना क सः नृ नृ नृ नृ नृ क ता नृ ता उ व
का न पा ना म नृ नृ जि त उ स ति नः ३ : वा न नृ नि नृ म
नृ वा नृ नृ द या क ह ग ति पा ना नृ नि स ना द या म द
द स नृ थ गृ द स नृ त कि सः क नृ वा नृ क स ना
नृ स नृ नृ या ह नृ ता नृ ४ : नृ जी नि या नृ नृ ता नृ नि
व ति गी क प वि नृ गी जा नृ व न का स म नृ हा क कृ पा
द हि रु न नी कृ पा उ व न ना त नृ नृ व त नृ नृ दि ति र व
का सः ५ :

ना
ग
ध
न

नागधना गीः ता नः रु तिः ता ना य न रु गृ या सि स न
नृ स न वि आ कः कि कि क्रि या नृ ता उ नः नृ ति नृ थ
नृ वा नः नृ नृ न व क नृ ना सः स नृ नृ स नृ व सः ग या
सि स नः १ : सि नृ स ना ग या म निः कृ स ग ना ग या
वा तिः नृ नृ स का वा स्य त याः नृ नृ सि पा ना नृ व ह रु
ग या सिः २ : कृ क कृ पा वि नृ ति व द या द य मा न

स
२

नरुनन आ का न प्रा न क आ न न
न आ नः क श न व क न आ सः ख श न स ख न व सः ग या
सि स नः १ ॥ सि न स ना ग या म निः क स ग ना ग या
का तिः १ न स का वा स्य त याः न व सि या सा न प ह र
ग या सिः २ ॥ क क क पा वि न ति ष द पा द म मा न
प स रः द का श द न स न वि श क ति त ना ना प न रः १
या सिः ३ ॥ नि वा न पा क त प तिः गी रु य ल स क म
नः ४ ॥ ष द ना श ला य रु य का श ना ना प न र ग या सि
स न स न वि श्रा कः ४ ॥

ह
ग
वा
न

ना गः ध ना गीः त नः क तिः ह ग वा न प ह र ग स म द श
स मा नः ह व न पा प स म निः म क्ति द न ना थ ता तः न न
या त प ति वा न ह त स नः ह ग वा नः १ ॥

ना गः ध ना गीः



...सीयत्ररुतिः तूता कव ह ग क्रिज्ञान्यमन
...पतिः सप्तिकमात्र

कुरुर

गनन

ना गः श्रीः यत्र कृतिः तू ता कृ व ह गः क्रि शा न्य म त
र सि द्धा न क न ग थः स रि व प निः म सि क मा न

ना गः श्रीः ता नः कृ तिः ग न द न श या थ न थ अ थि न
थ स म ल प र वः अ श श पि ना रु स मू त कि न्ना श
१ ॥ द न स र्ध पि कू न कि ग पि व व न स द पि पिः
वा य प र द स्या ना श स र्ध मा या का यः २ ॥ ना श क
पि द र सि ह या क्का व क या श ति ना निः ग थि न क न
म थ श थ थि न क न मः ३ ॥ श ना श कि त थ न वा
श प नि स न स द पिः अ श कि श या थ स वा ग ह श
या स न नः ४ ॥

॥ श्री गुरु नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गोनन

राग,

[illegible]

[The page contains approximately 20 lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be a continuation of the Sanskrit text from the previous page. The handwriting is dense and cursive.]

[The page contains approximately 20 lines of handwritten text in Devanagari script, which is mirrored across the entire surface.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is arranged in approximately 20 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The paper is aged and shows signs of wear, including discoloration and some damage along the edges.

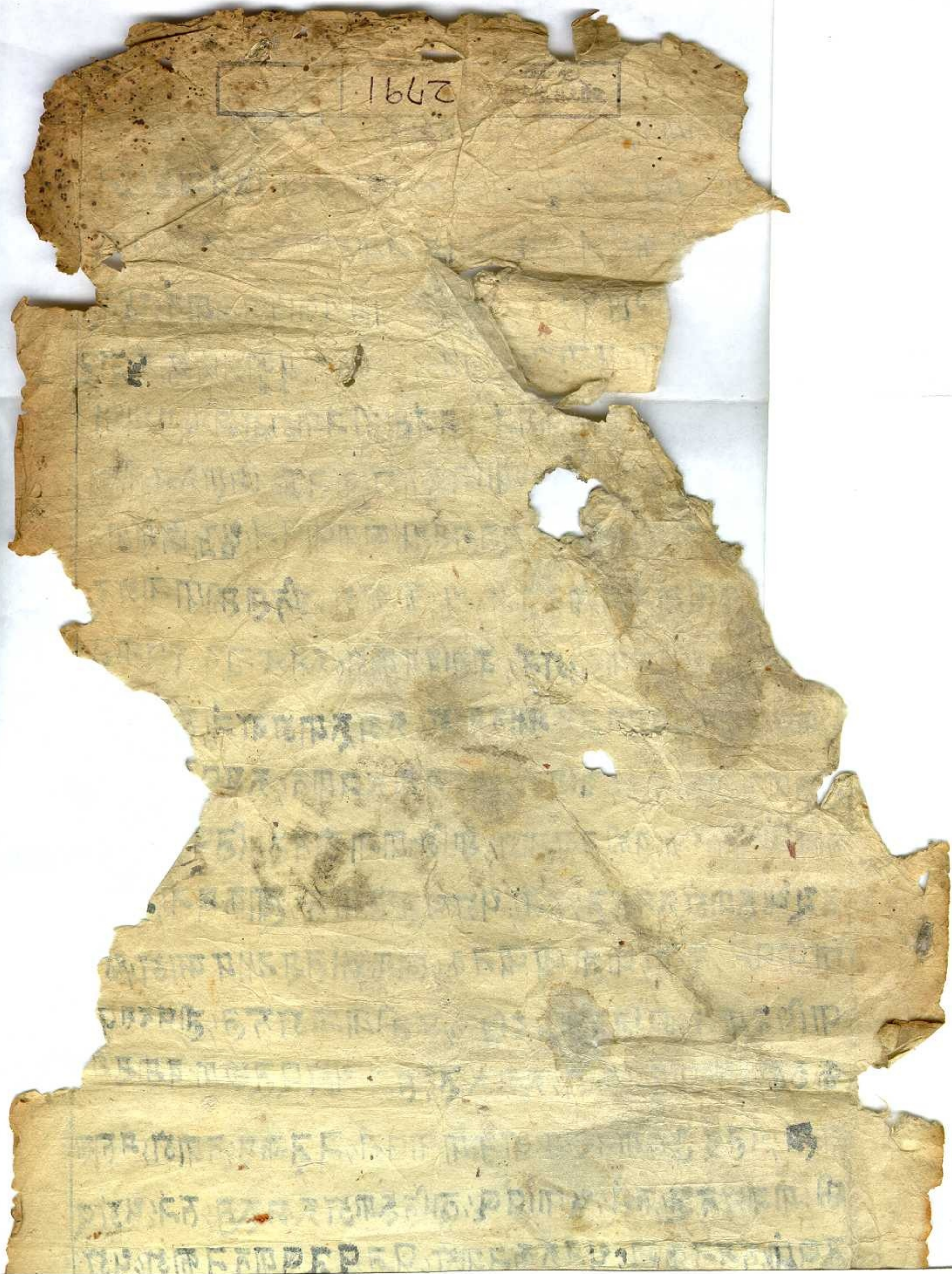
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 20 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related classical language. The paper is aged, showing significant staining, foxing, and some physical damage, particularly along the right edge where the text is partially obscured by a tear. The ink is dark, and the overall appearance is that of an ancient or historical document.

2791



[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat stylized and appears to be from a historical period. The paper is aged and shows signs of wear, including creases and discoloration. The text is written in black ink on a light-colored, textured paper.

Handwritten text in Devanagari script, continuing from the previous page. The text is arranged in approximately 4 horizontal lines. The script is consistent with the one on the top page, suggesting it is part of the same document. The paper is also aged and shows signs of wear.

[illegible]

[illegible]

213
172
875

18. 12015
42 21 21 15 15
13 13 15 15 15 15 15 15

15 15 15 15 15 15 15 15 15 15
15 15 15 15 15 15 15 15 15 15

15 15

